AMAR UJALA MY CITY PAGE 5

प्रो. मोहम्मद अहमद को मिला एशियन एजुकेशन अवॉर्ड

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के विधि विभाग के प्रो. मोहम्मद अहमद को एशियन एजुकेशन अवॉर्ड से सम्मानित किया गया। पूर्व में इन्हें राष्ट्रीय पुरस्कार मिल चुका है और अब एशियन एजुकेशन द्वारा एशिया के बेस्ट प्रोफेसर ऑफ द ईयर का सम्मान एईए कॉन्फ्रेंस 2021 द्वारा प्रदान किया गया।

लविवि प्रवक्ता डॉ. दुर्गेश श्रीवास्तव ने बताया कि एशियन एजुकेशन अवार्ड का आयोजन प्रतिष्ठित संस्था काइट्स प्रोडक्शन तथा अन्य सहयोगी संस्थाओं द्वारा किया जाता है। प्रो. अहमद को यह पुरस्कार मिलने पर कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय, प्रो. दिनेश कुमार, डीन लॉ प्रो. सीपी सिंह, प्रो. राकेश कुमार सिंह, प्रो. कमाल अहमद, प्रो. आनंद कुमार विश्वकर्मा आदि ने बधाई दी है। (माई सिटी रिपोर्टर)

लविवि में गति पकड़ेगी शिक्षक भर्ती प्रक्रिया

अभी सिर्फ कॉन्ट्रैक्ट वाले पदों पर पूरी होगी भर्ती

माई सिटी रिपोर्टर

स्क्रीनिंग प्रक्रिया पूरी, जल्द ही साक्षात्कार का होगा आयोजन

सफल अभ्यर्थियों की सूची अंकों के साथ रिक्रूटमेंट पोर्टल पर प्रकाशित होगी

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय में शिक्षकों के 180 नियमित और कई विभागों में कॉन्ट्रैक्ट के पदों पर भर्ती प्रक्रिया गति पकड़ने वाली है। विवि के कई विभागों में स्क्रीनिंग आदि की प्रक्रिया पूरी हो गई है। जल्द ही इनके साक्षात्कार आयोजित किए जाएंगे। हालांकि अभी सिर्फ कॉन्ट्रैक्ट पदों पर भर्ती प्रक्रिया पूरी होगी।

विवि की ओर से पिछले साल पारदर्शी तरीके से भर्ती प्रक्रिया पूरी करने के लिए रिक्रूटमेंट सेल का गठन किया गया था। डीन रिक्रूटमेंट प्रो. मनुका खन्ना ने बताया कि पूरी आवेदन प्रक्रिया ऑनलाइन की गई थी। आवेदकों को उनके बनाए लॉगिन आईडी और पासवर्ड के जरिए अगले चरण की जानकारी भी दी जा रही है। उन्होंने बताया कि स्क्रीनिंग के बाद सफल अभ्यर्थियों की एक सूची उनके प्राप्त अंकों के साथ रिक्रूटमेंट पोर्टल पर प्रकाशित की जाएगी। अगर अभ्यर्थियों को उनके प्राप्त अंकों के विषय में कोई भी क्वेरी है तो उसको स्क्रीनिंग कमिटी, संकाय अध्यक्ष, आइक्यूएसी के निदेशक और रजिस्ट्रर द्वारा सम्मिलित रूप से सुना जाएगा। विज्ञापित पद पर कितने आवेदकों को साक्षात्कार के लिए आमंत्रित किया जाएगा यह निर्णय कुलपति का होगा। ऑनलाइन साक्षात्कार की व्यवस्था भी कराई जाएगी।

साक्षात्कार के लिए कॉल लेटर आवेदकों द्वारा रिक्रूटमेंट पोर्टल पर आवेदन के समय दिए गए रजिस्टर्ड ईमेल आईडी पर ही भेजे जाएंगे। प्रो. खन्ना ने बताया कि जल्द ही विवि संविदा पदों पर नियुक्ति प्रक्रिया पूरी करेगा। लॉ, आईएमएस, इंजीनियरिंग संकाय की स्क्रीनिंग व वेलिडेशन की प्रक्रिया पूर्ण हो गई है। भूगोल, फार्मास्युटिकल केमिस्ट्री व वाणिज्य विभाग की प्रक्रिया भी प्रगति पर है। वहीं पूर्व में विज्ञापित नियमित शिक्षकों के पदों की स्क्रीनिंग प्रक्रिया भी विभागीय स्तर पर जारी है। जल्द ही इसकी भी प्रक्रिया पूरी की जाएगी।

लविवि ने शासन को भेजा छात्रों को प्रमोट करने का प्रस्ताव

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय ने अपने व सहयुक्त 170 कॉलेजों के यूजी-पीजी फर्स्ट सेमेस्टर के विद्यार्थियों को प्रमोट करने का प्रस्ताव शासन को भेज दिया है। शासन ने विवि के इस प्रस्ताव पर मुहर लगाई तो लविवि के कॉलेजों के लगभग 90 हजार विद्यार्थी प्रमोट हो जाएंगे। पिछले दिनों कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय की अध्यक्षता में हुई हेड, डीन व कॉलेज प्राचार्यों की बैठक में अन्य मुद्दों के साथ-साथ इस पर भी आम सहमति बनी, जिसके बाद तय हुआ कि इस बारे में विस्तृत प्रस्ताव बनाकर शासन को भेजा जाएगा। तब तक अन्य सेमेस्टर की ऑनलाइन क्लास संचालित की जाएं। रजिस्ट्रार डॉ. विनोद कुमार सिंह ने बताया कि विवि की ओर से यूजी-पीजी फर्स्ट सेमेस्टर के विद्यार्थियों को प्रमोट करने का प्रस्ताव शासन को भेज दिया गया है। इसमें शासन को बताया गया है कि सिर्फ उक्त विद्यार्थियों की परीक्षा कोरोना संक्रमण के कारण आयोजित नहीं कि जा सकी हैं। यह 06 अप्रैल से प्रस्तावित थीं और सभी आवश्यक तैयारियां भी की जा चुकी थीं। जबकि अन्य कोर्सों की परीक्षा हो चुकी है। ऐसे में सत्र प्रभावित न हो, इसलिए इन विद्यार्थियों को प्रमोट करना बेहतर होगा। शासन से इसकी हरी झंडी मिलने के बाद वह इन विद्यार्थियों की भी ऑनलाइन क्लास शुरू कर सकेगा। जानकारी के अनुसार विवि की ओर से विद्यार्थियों को प्रमोट करने का आधार भी बना लिया गया है। लेकिन अभी इसे शासन को नहीं भेजा गया है। वह शासन से मिलने वाले निर्देश के इंतजार में है। अगर शासन कोई फॉर्मूला देता है तो विवि उसे भी लागू कर सकता है। (माई सिटी रिपोर्टर)

HINDUSTAN PAGE 7

एलयू में 180 नियुक्तियों के लिए हो रही स्क्रीनिंग

हिन्दुस्तान जॉब्स

लखनऊ | निज संवाददाता

लखनऊ विश्वविद्यालय में शिक्षकों के 180 नियमित और संविदा पदों पर नियुक्तियां की जाएंगी। कोरोना संक्रमण के चलते रुकी प्रक्रिया एक बार फिर शुरू हो गई है। विश्वविद्यालय प्रशासन का दावा है कि विभागीय स्तर पर आवेदनों की स्क्रीनिंग की जा रही है। बहुत जल्द नियुक्तियां कर ली जाएंगी।

लखनऊ विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने बताया कि संविदा नियुक्ति की प्रक्रिया प्रारंभ हो गई है। लॉ, आईएमएस, इंजीनियरिंग की स्क्रीनिंग और सत्यापन की प्रक्रिया पूर्ण हो गई है। भूगोल, फार्मास्यूटिकल केमिस्ट्री और वाणिज्य विभाग की प्रक्रिया भी प्रगति पर है। विज्ञापित नियमित पदों की स्क्रीनिंग प्रक्रिया भी विभागीय स्तर पर जारी है। इस भर्ती प्रक्रिया के लिए आवेदन पहले से लिए जा चुके हैं।

HINDUSTAN TIMES PAGE 5

xpressions

Imperatives of academic leadership in corona times

Prof Alok Kumar Rai

The legislature, executive and the judiciary are the three pillars on which hinges our democracy. They all have their specific, but significant roles in the success of the system designed for societal good. Education is one such aspect of societal sphere that has a direct bearing on the kind of society we would get to live in. The issue in itself brings in several challenges to be attended with by the three pillars.

Access to education, gainful employment and character building are the prime developmental challenges faced by the youth in India which accounts for one of the youngest populations in the world till 2030. The working age population is expected to increase to 65% in 2036 from 61% in 2011. Hence, with 12 million people being added to the working population every year, their competency building and well-being is of concern for the development of the country.

To mobilise potential of the youth and development of their capabilities, National Education Policy 2020 (NEP) has been a much-required initiative for rejuvenation of India's higher educational system. In the words of Gurudev Rabindranath Tagore: "The highest education is that which does not merely give us information but makes our life in harmony with all existence."

NEP 2020 is designed to deliver high quality education with inclusive approach for sustainable development of the country. Further, NEP 2020 also emphasises on establishment of start-up ecosystem with incubation centres designed to promote entrepreneurship and facilitate collaborative research to foster research and innovation ecosystem that encourages industry and community engagement with the Higher Educational Institution (HEI).

The success of NEP lies in the initiatives and actions designed and executed at different levels by academic leaders of the HEIs.

A constructivist approach of leader as a cultivator and facilitator of relationships shall pave the way to create a student-centric ecosystem for execution of NEP 2020 action plans. It requires the leader to play various roles such as teacher, researcher, mentor, entrepreneur, administrator and resource generator.

Academic leaders, being responsible to their stakeholders, devise mechanisms to be inclusive with every stakeholder segment in HEIs and build bridges between the groups of students and faculty with the external groups such as society, industries and other bodies. For sustained success of the institution, such relational intelligence of the academic leader should be grounded in emotional and ethical intelligence of the leaders.

The above gains greater significance during the present corona regime where the institutions need not only to be run by rational considerations, but emotional and ethical considerations as well to promote social responsibility and contribute to a sustainable future amidst the pandemic. Practices to encourage interaction and dialogue in telecommuting mode challenge the initiatives to make things better, fair and with care.

The leadership needs to ensure student and faculty engagements constructively to address personal emotional issues and also be socially responsive to engage with the society for long-term well-being of the institution.

The issue of stress, anxiety or depression coupled with issues pertaining to finances also should be attended to by the academic leader, with empathy and compassion. Realising, recognising and responding to the dynamics are crucial for an academic administrator to become academic leader. Moving beyond the role of academic administration, academic leadership focuses on creation and sustenance of knowledge along with destruction of ignorance and negative elements. To generate virtuous cycle for sustainability and growth of students and society in a responsible way, it is imperative for the system in trusting, entrusting and empowering academic leaders for effective governance of HEIs and to promote Indian research and education to international arena.

(The writer is the vice chancellor of Lucknow University)

JAGRAN CITY PAGE III

180 नियमित और संविदा पदों पर लविवि में भर्ती की तैयारी

जागरण संवाददाता, लखनऊ: लखनऊ विश्वविद्यालय ने अपने 180 नियमित और कई विभागों में संविदा पदों पर भर्ती प्रक्रिया की तैयारी पूरी कर ली है। विवि के प्रवक्ता डा. दुर्गेश श्रीवास्तव ने बताया कि इसके तहत कुलपति की ओर से गठित समिति द्वारा भर्ती के लिए रिजर्वेशन रोस्टर का निर्माण, आवेदनों का आमंत्रण, आवेदनों की स्क्रीनिंग की गई है।

स्क्रीनिंग कमेटी के प्रमुख विभागाध्यक्षों को रिक्रूटमेंट पोर्टल पर आवेदनों को पढ़ने व उनकी स्क्रीनिंग करने के लिए आइडी और पासवर्ड दिए जाने के निर्देश दिए गए हैं, ताकि उसकी मदद से हर विभाग की स्क्रीनिंग कमेटी यूजीसी के 2018 रेजोल्यूशन के आधार पर आवेदनों को समीक्षा कर सके। इसके अलावा रिक्रूटमेंट पोर्टल पर ऑटोमैटिक दिए हुए स्कोर की स्क्रीनिंग कमेटी द्वारा समीक्षा की जाएगी। कमेटी के पास अधिकार होगा कि वह कम्प्यूटर के स्कोर को संशोधित करे, मगर ऐसा करने पर उन्हें रिक्रूटमेंट पोर्टल पर ही वजह अंकित करनी होगा। सभी समिति के सदस्यों के हस्ताक्षर सहित एक रिपोर्ट डीन, रिक्रूटमेंट सेल को भी उपलब्ध करानी होगी। यह कमेटी अपनी टिप्पणियों सहित एक रिपोर्ट डीन रिक्रूटमेंट सेल को भेजेगी। इसके बाद कुलपति से अनुमति ली जाएगी। फिर स्क्रीनिंग के बाद सफल हुए अभ्यर्थियों की एक सूची उनके प्राप्त अंकों के साथ रिक्रूटमेंट पोर्टल पर प्रकाशित की जाएगी।

डा. दुर्गेश ने बताया कि कितने आवेदकों को साक्षात्कार के लिए आमंत्रित किया जाएगा, यह निर्णय कुलपति का होगा। आनलाइन साक्षात्कार की व्यवस्था भी उपलब्ध कराई जाएगी। सभी साक्षात्कार के लिए कॉल लेटर आवेदकों द्वारा रिक्रूटमेंट पोर्टल पर आवेदन के समय दिए गए रजिस्टर्ड ईमेल आइडी पर ही भेजे जाएंगे।

AMRIT VICHAR PAGE 2

लविवि में 180 नियुक्तियां के लिए विभागों में हो रही स्क्रीनिंग

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय में शिक्षकों के 180 नियमित और संविदा पदों पर नियुक्तियां की जाएंगी। कोरोना संक्रमण के चलते रुकी प्रक्रिया एक बार फिर शुरू हो गई है। विश्वविद्यालय प्रशासन का दावा है कि विभागीय स्तर पर आवेदनों की स्क्रीनिंग की जा रही है। बहुत जल्द नियुक्तियां कर ली जाएंगी। लखनऊ विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने बताया कि संविदा नियुक्ति की प्रक्रिया प्रारंभ हो गई है। लॉ, आईएमएस, इंजीनियरिंग की स्क्रीनिंग और सत्यापन की प्रक्रिया पूर्ण हो गई है। भूगोल, फार्मास्यूटिकल केमिस्ट्री और वाणिज्य विभाग की प्रक्रिया भी प्रगति पर है। विज्ञापित नियमित पदों की स्क्रीनिंग प्रक्रिया भी विभागीय स्तर पर जारी है। इस भर्ती प्रक्रिया के लिए आवेदन पहले से लिए जा चुके हैं।

HINDUSTAN TIMES PAGE 3

LU dispensaries activated, to serve staff and students

HT Correspondent
letters@hindustantimes.com

LUCKNOW: Lucknow University (LU) has activated its medical dispensaries both on the old campus as well as on the new campus, where doctors will be available for treatment of teachers, staff and students, an official said.

A number of LU teachers and staff tested Covid-19-positive and a few of them even succumbed to the infection. Hence, the teachers association had demanded activating the university dispensary.

Dr. Mukul Chandra and Dr Praveen Singh will be available at the dispensaries. Dr Mukul Chandra will be in-charge of dispensaries on both old and new campuses. Timings for dispensaries on both the old and new campuses: 9 am to 1 pm, said Poonam Tandon, dean, students welfare.

Chandra will be available on Monday, Wednesday and Friday in the old campus dispensary and on Tuesday, Thursday and Saturday in the new campus dispensary.

Singh will be available on Tuesday, Thursday and Saturday in the old campus dispensary and on Monday, Wednesday and Friday in the New Campus Dispensary, Tandon added.

i-NEXT PAGE 4

प्रो. मुहम्मद अहमद को एशियन एजुकेशन अवार्ड

lucknow@inext.co.in

LUCKNOW (24 April): लखनऊ विश्वविद्यालय के विधि विभाग के वरिष्ठ प्रोफेसर मुहम्मद अहमद को एशियन एजुकेशन अवार्ड से सम्मानित किया गया. एलयू के प्रवक्ता डॉ. दुर्गेश श्रीवास्तव ने बताया कि एशियन एजुकेशन अवार्ड का आयोजन काइट्स प्रोडक्शन तथा अन्य सहयोगी संस्थाओं द्वारा किया जाता है. उन्होंने बताया कि एशिया एजुकेशन कॉन्फ्रेंस 2021 का यह पुरस्कार प्रोफेसर मुहम्मद अहमद तथा एलयू के विधि विभाग के लिए बड़ी उपलब्धि है.